I- TERM EXAMINATION : 2022-23

CLASS - X (ICSE)

Time: 3 hrs. **HINDI** M.M.: 80

Answer to this paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.
This paper consist of two section Section 'A' and Section 'B'. Attempt all the questions from Section 'A'.
Attempt any four questions from Section 'B' One question from each of the two books you have studied and any other two questions from the same section.
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION 'A' [40 Marks]

Attempt all questions.

Q.1. Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए –

i) बचपन की मधुर स्मृतियाँ मनुष्य के हृदय पर अंकित हो जाती हैं। उन मधुर स्मृतियों की याद आते ही हृदय अनोखे आनन्द से भर जाता है और मुँह से अपने आप ये शब्द निकल पड़ते हैं "काश, वे दिन फिर लौट आते।" अपने बचपन की उन आनन्दमय बातों का वर्णन कीजिए, जिन्हें याद करके आप आज भी आनन्दित होते हैं।

ii) एक मौलिक कहानी लिखिए, जिसका आधार प्रस्तुत उक्ति हो–"दूर के ढोल सुहावने"।

iii) ऊँचे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए माता–पिता तथा अध्यापकों द्वारा बच्चों पर डाला जाने वाला दबाव अनुचित है।'–विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार लिखिए।

iv) आज के युग में समाचार पत्र हमारी दैनिक आवश्यकताओं में से एक हैं। समाचार पत्र की उपयोगिता स्पष्ट करते हुए बताइए कि एक आदर्श समाचार पत्र में किन–किन बातों का समावेश होना चाहिए।

v) नैतिक मूल्यों का व्यक्ति के जीवन में क्या महत्व है? वर्तमान समय में गिरते नैतिक मूल्यों के कारण को समझाइए।

vi) नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और चित्र को आधार बनाकर कोई लेख लिखिए जिसका सीधा संबंध चित्र से होना अनिवार्य है।

Q.2. Write a letter in Hindi of approximately 120 words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए–

i) विदेशी वस्तुओं के आकर्षण में फँसे अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए कि स्वदेशी वस्तुओं का आदर करना चाहिए।

ii) आपके विद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी की पत्र पत्रिकाओं की कमी है इस बात का ध्यान दिलाते हुए प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या को पत्र लिखिए।

Q.3. Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible :

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए–

प्राचीन काल में विद्यार्थी गुरु के आश्रम में जाकर ही विद्या प्राप्त करते थे। वहाँ उन्हें विद्या के साथ–साथ अच्छी बातें भी सीखने को मिलती थीं, जो आगे चलकर उनके जीवन में बहुत ही काम आती थी। ऋषि धौम्य भी अपने आश्रम में अपने विद्यार्थियों को विद्या पढ़ाने के साथ–साथ उपयोगी बातें भी सिखाते थे। ऋषि धौम्य का विचार था कि बालक पुस्तक के अक्षरों को तो पढ़ ले, किन्तु उसे जीवन के लिए अच्छे गुणों को सीखने और जानने का अवसर यदि न मिल सके तो वह जीवन में आगे नहीं बढ़ सकता।

एक दिन मूसलाधार बरसात हो रही थी। एक बालक ने आकर बताया कि खेत की एक मेंड़ टूट गई है और खेत का पानी बहकर बाहर जा रहा हैं यह सुनकर ऋषि धौम्य ने अपने एक शिष्य आरुणि को बुलाकर कहा, "आरुणि, तनिक खेत पर जाओ और देखो कि खेत से बहते पानी को किस प्रकार रोका जा सकता है। यदि पानी बह गया तो खेत को बराबर पानी नहीं मिल सकेगा। तुरन्त जाओ और पानी को रोकने का प्रबन्ध करो।"

आरुणि ने गुरु जी की आज्ञा पाकर सिर नवाते हुए कहा, "बहुत अच्छा गुरुदेव, मैं अभी जाता हूँ और पानी को रोकने का उपाय करता हूँ।"

इतना कहकर आरुणि वहाँ से चला गया। जब वह खेत पर पहुँचा तो उसने देखा कि खेत में से पानी बड़ी तेजी से बाहर निकल रहा है। आरुणि ने मिट्टी लगाकर बहते पानी को रोकने की कोशिश की किंतु पानी का बहाव इतना तीव्र था कि वह मिट्टी को बार–बार बहाकर ले जाता था। आरुणि ने पत्थर लगाकर पानी को रोकने की कोशिश की किन्तु इसका भी कोई परिणाम नहीं निकला और पानी ऊपर से होकर बहने लगा। अब तो आरुणि को बहुत ही चिन्ता हुई। गुरुदेव ने उसे खेत के बहते हुए पानी को रोकने के लिए भेजा है। यदि वह खेत के बहते हुए पानी को रोकने जैसा छोटा काम भी न कर सका तो गुरुदेव को कितना दुःख होगा और वे उसके विषय में क्या सोचेंगे? आरुणि बहुत देर तक इसी संबंध में सोचता रहा। अंत में वह खुद ही मेंड़ के बीच में जाकर बैठ गया। बहुत रात बीतने पर बरसात बन्द हो गई। पानी का बहाव भी बन्द हो गया था। आरुणि को देर तक वापस आया न देखकर गुरु धौम्य को चिन्ता हुई। वे अपने कुछ शिष्यों सहित उसे ढूँढ़ते हुए खेतों की तरफ आये तो देखा कि आरुणि मेंड़ के उस हिस्से में धँसा पड़ा है जहाँ पानी का बहाव था। उन्होंने आरुणि का हाथ पकड़कर उठाया और पूछा, "यह क्या कर रहे थे आरुणि?"

आरुणि ने कहा, "गुरुदेव, आपने आज्ञा दी थी कि खेत से बहते हुए पानी को रोकूँ। मैंने यहाँ आकर अनेक उपाय किये कि किसी प्रकार पानी का बहना रोक सकूँ किन्तु मेरा कोई भी उपाय काम में नहीं आया। इसलिए आपकी आज्ञा का पालन करने के लिए मैंने अपने आपको ही धँसा दिया। ऋषि धौम्य ने आरुणि को छाती से लगाकर कहा, "गुरु की बात को इतना बड़ा मूल्य देकर तूने विद्यार्थी होने के सत्य को उजागर कर दिया है। तुम्हारे प्राणों पर बन आई थी, पर तुम अपने कर्त्तव्य से टस से मस न हुए। मेरा आशीर्वाद है कि तू जीवन में सदा सुखी रहे।"

i) प्राचीन शिक्षा पद्धति की क्या विशेषता थी? उसके क्या लाभ थे ? [2]

ii) आचार्य धौम्य ने आरुणि को कहाँ भेजा और क्यों ? [2]

iii) आरुणि ने पानी रोकने के लिए क्या–क्या किया ? [2]

iv) आचार्य धौम्य ने आरुणि को क्या आशीर्वाद दिया और क्यों ? [2]

v) इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? [2]

Q.4. Answer the following according to instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए–

i) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए– [1]

आज्ञा, मूल्य

ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए – [1]

पानी, बरसात

iii) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विलोम लिखिए– [1]

आशीर्वाद, अंत, उपयोगी

iv) निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा लिखिए– [1]

दुःखी, बहना

v) निम्नलिखित में से किसी एक मुहावरे का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए– [1]

नाक रख लेना, एड़ी चोटी का जोर लगाना

vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए –

क) प्राचीन काल में लोग पत्तों की कुटिया में रहते थे। (रेखांकित शब्दों के लिए एक शब्द लिखें।)

ख) छात्र गुरु की बात अवश्य सुनेगा। (वाक्य का अंत 'चाहिए' से करें।)

ग) आचार्य का आदेश था इसलिए बालक को जाना था। (सरल वाक्य में बदलें)

SECTION 'B' [40 Marks]

(साहित्य–सागर संक्षिप्त कहानियाँ)

Q.5. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–
"महाराज आपके मुखचन्द्र पर चिन्ता के मेघ क्यों छाए हैं ?"

i) यह प्रश्न कौन, किससे कर रहा है? हर भेड़िए के आसपास दो चार सियार क्यों रहते हैं ? [2]

ii) भेड़िए ने सियार के प्रश्न का क्या उत्तर दिया ? [2]

iii) क्या सियार वन–प्रदेश में होने जा रहे क्रांतिकारी परिवर्तन को जानता था? यदि हाँ, तो वह भेड़िए के सामने अनभिज्ञ क्यों बन रहा था ? [3]

iv) भेड़िए ने जब सियार को अपना दुखड़ा सुनाकर यह कहा कि "अब जाएं भी कहाँ?" तो इसे सुनकर सियार ने भेड़िए को क्या–क्या सुझाव दिए? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–
"चित्रों को नहीं, चित्रा को देखने आई थी। तू तो एकदम भूल ही गई?"

i) अरुणा के कहने का क्या भाव है ? [2]

ii) अरुणा कहाँ पर चित्रा से यह कह रही है ? [2]

iii) अरुणा का चरित्र चित्रण लिखिए। [3]

iv) 'दो कलाकार' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। [3]

Q.7. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–
'भाई नाम तो तुम्हारा लिख लेता हूँ पर जल्दी नौकरी पाने की आशा मत करना।"

i) उपर्युक्त पंक्ति किसने, किससे, कब कही है ? [2]

ii) जब लेखक अपने मित्र के घर पहुँचा तो उसने क्या देखा तथा क्या पूछा ? [2]

iii) उपर्युक्त कथन में किस समस्या की ओर संकेत किया गया है? स्पष्ट कीजिए। [3]

iv) 'भीड़ में खोया आदमी' पाठ के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए। [3]

पद्य भाग

Q.8. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

रहिए लटपट काटि दिन, बरु घामे मा सोय।
छाँह न बाकी बैठिए, जो तरु पतरो होय।।
जो तरु पतरो होय, एक दिन धोखा देहौं।
जा दिन बहै बयारि, टूटि तब जर से जैहे।।
कह गिरिधर कविराय छाँह मोटे की गहिए।
पाती सब झरि जायँ, तऊ छाया में रहिए।।

i) कवि पतरो तरु की छाया में बैठने को क्यों मना करता है ? उदाहरण दीजिए। [2]

ii) कवि मोटे पेड़ की छाया में शरण लेने के क्या फायदे बता रहा है ? [2]

iii) वृक्षों की मानव जीवन में क्या उपयोगिता है, उनको बचाने हेतु हमें क्या करना होगा ? [3]

iv) उपर्युक्त पंक्तियों से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? [3]

Q.9. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

जाके प्रिय न राम वैदेही।
तजिए ताहि कोटि वैरी सम जदपि परम सनेही।।
तज्यो पिता प्रहलाद विभीषण बन्धु, भरत महतारी।
बलि गुरु तज्यो, कंत ब्रज बनितहिं, भए मुद मंगलकारी।।

i) 'जाके प्रिय . . . . परम सनेही' का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]

ii) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए– [2]

वैदेही, कंत, तजिए, मुद

iii) प्रहलाद, विभीषण और भरत ने क्या किया और क्यों ? [3]

iv) गोस्वामी तुलसीदास जी की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए। [3]

Q.10. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

मेघ आए बड़े बन–ठन के सँवर के,
आगे–आगे नाचती गाती बयार चली,
दरवाजे खिड़कियाँ खुलने लगी गली–गली,
पाहुन ज्यों आये हो गाँव में शहर के,
मेघ आए बड़े बन–ठन के सँवर के।

i) मेघों की तुलना किससे की गई है? वे गाँव में किस प्रकार आए हैं ? [2]

ii) मेघों के आने पर क्या खुल गया तथा क्यों ? [2]

iii) पेड़ क्यों झुक रहे हैं तथा झाँककर क्या देख रहे हैं ? [3]

iv) 'मेघ आए' कविता का उद्देश्य लिखिए। [3]

* * * * *